अंक – 86 15.10.2025 बुधवार

कैमूर चेतना - सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- छात्र प्रतिज्ञा
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- रोचक तथ्य
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना

SVEEP अभियान – बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025

"मतदान ज़रूरी है, लोकतंत्र की मजबूती है!"

मुख्य संदेश:

आइए, लोकतंत्र के इस पर्व में भाग लें।

हर वोट की अपनी ताकत है।

मेरी वोट, मेरा अधिकार!

क्या करें?

18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिक **मतदाता सूची में नाम दर्ज कराएं।**

मतदान दिवस पर **अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।**

दूसरों को भी **जागरूक करें और प्रेरित करें।**

SVEEP का उद्देश्य:

मतदाता शिक्षा को बढ़ावा देना

निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना

हर नागरिक को मतदान के महत्व से जोड़ना

स्थान: बिहार विधानसभा क्षेत्र

तिथि: निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मतदान दिवस

समय: सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक

OCTOBER 2025

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो सके |

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्ताकाश मंच ,
भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
भारतीय वैज्ञानिक

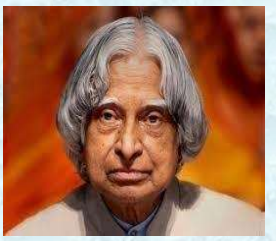

भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक साधारण मुस्लिम परिवार में हुआ। उनके पिता जैनुलाब्दीन एक नाविक थे और माता अय्यम्मा गृहिणी थीं। साधारण परिस्थितियों के बावजूद उनमें शिक्षा के प्रति गहरी लगन थी। वे बचपन से ही मेहनती, अनुशासित और आत्मनिर्भर रहे।

प्रारंभिक शिक्षा रामेश्वरम में पूरी करने के बाद उन्होंने तिरुचिरापल्ली के सेंट जोसेफ कॉलेज से भौतिक विज्ञान की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। उनकी रुचि विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बचपन से ही रही और आगे चलकर यही उनका जीवन पथ बना।

डॉ. कलाम ने अपने करियर की शुरुआत रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) से की। इसके बाद उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) में उपग्रह प्रक्षेपण यान (SLV) परियोजना पर कार्य किया और भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें भारत का "मिसाइल मैन" कहा जाता है क्योंकि उन्होंने अग्नि, पृथ्वी, त्रिशूल जैसी मिसाइलों के विकास में अहम भूमिका निभाई।

1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण को सफल बनाने में उनकी निर्णायक भूमिका रही। इस कारण वे देशवासियों की दृष्टि में एक महान वैज्ञानिक और राष्ट्रनायक बन गए। उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

2002 में डॉ. कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। वे "जनता के राष्ट्रपति" कहलाए क्योंकि वे सदैव छात्रों, युवाओं और आम नागरिकों से जुड़े रहे। उनका जीवन सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण का आदर्श उदाहरण है।

राष्ट्रपति पद के बाद भी वे शिक्षा, शोध और लेखन में सक्रिय रहे। उन्होंने "विंग्स ऑफ फायर", "इग्नाइटेड माइंड्स", "इंडिया 2020" जैसी कई प्रेरक पुस्तकें लिखीं। उनका सपना था कि भारत 2020 तक एक विकसित राष्ट्र बने।

27 जुलाई 2015 को शिलांग (मेघालय) में भारतीय प्रबंधन संस्थान में व्याख्यान देते समय उन्हें हृदयाघात हुआ और वहीं उनका निधन हो गया। उनके अंतिम शब्द और अंतिम क्षण भी छात्रों और शिक्षा के प्रति समर्पित थे।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आज भी करोड़ों भारतीयों के लिए प्रेरणा हैं। उनका जीवन संदेश है – *"सपने वो नहीं जो हम नींद में देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"*

1. प्रार्थना

प्रार्थना

इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे, भूलकर भी कोई भूल हो ना।
दूर अज्ञान के हो अँधेरे, तू हमें ज्ञान की रौशनी दे
हर बुराई से बचके रहें हम, जितनी भी दे भली ज़िन्दगी दे
बैर हो ना किसी का किसी से, भावना मन में बदले की हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे, भूलकर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
हम न सोचें हमें क्या मिला है, हम ये सोचें किया क्या है अर्पण
फूल खुशियों के बांटें सभी को, सबका जीवन ही बन जाए मधुवन
अपनी करुणा का जल तू बहा के,कर दे पावन हर एक मन का कोना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे, भूलकर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
हर तरफ़ ज़ुल्म है, बेबसी है, सहमा सहमा सा हर आदमी है
पाप का बोझ बढ़ता ही जाए, जाने कैसे ये धरती थमी है
बोझ ममता से तू ये उठा ले, तेरी रचना का ये अंत हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे, भूल कर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना दाता, मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
हम अँधेरे में हैं रोशनी दे, खो ना दे खुद को ही दुश्मनी से

बिहार राज्य गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे

इन्हें कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा ही दे गंग – जमन नाज करे
आधे रास्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

छात्र – प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है।
हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे।
हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सब के साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं।उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशीष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे॥

कैमूर चेतना सत्र

2. आज का सुविचार

"ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत अनुभव है।" – अल्बर्ट आइंस्टीन

3. दिवस विशेष

विश्व छात्र दिवस

अब्दुल कलाम की 79वीं जयंती को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गई। उसके बाद से अब तक प्रतिवर्ष विश्व छात्र दिवस को 15 अक्टूबर को मनाया जाने लगा। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की महत्वपूर्ण भूमिका, उनकी उपलब्धियां और छात्रों को दी गई प्रेरणा को इस दिन याद किया जाता है।

4. आज का इतिहास

1931: भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'मिसाइल मैन' के नाम से जाने जाने वाले डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म रामेश्वरम, तमिलनाडु में हुआ।
1932: टाटा समूह ने देश की पहली एयरलाइन, "टाटा सन्स लिमिटेड" की शुरुआत की, जो बाद में एयर इंडिया कहलाई।
1949: त्रिपुरा रियासत को भारत संघ में मिला लिया गया।
1981: भारत सरकार द्वारा डॉ. कलाम को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।
2003: चीन अंतरिक्ष में मानवयुक्त मिशन भेजने वाला तीसरा देश बना।

5. सामान्य ज्ञान

प्रश्न: भारत का राष्ट्रीय ध्वज किसने बनाया था?
उत्तर: पिंगली वेंकैया
प्रश्न: भारत का राष्ट्रीय पशु कौन है?
उत्तर: बंगाल टाइगर (बाघ)
प्रश्न: संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे?
उत्तर: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
प्रश्न: 'गगनयान' मिशन किससे जुड़ा है?
उत्तर: भारत का मानव अंतरिक्ष मिशन (ISRO द्वारा)
प्रश्न: नोबेल पुरस्कार पाने वाले प्रथम भारतीय कौन थे?
उत्तर: रवीन्द्रनाथ टैगोर (साहित्य – 1913)
प्रश्न: भारत का सबसे बड़ा राज्य क्षेत्रफल के अनुसार कौन-सा है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न: भारत का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर कौन-सा है?
उत्तर: कंचनजंघा (भारत में स्थित)

6. शब्द ज्ञान

सच्चाई बोलो। – Speak the truth.
मेहनत करो। – Work hard.
कभी हार मत मानो। – Never give up.
समय पर आओ। – Come on time.
ध्यान से सुनो। – Listen carefully.
दूसरों की मदद करो। – Help others.

7. कंप्यूटर ज्ञान

Internet – दुनिया भर के कंप्यूटरों को जोड़ने का नेटवर्क।
ई-मेल (Email) – इलेक्ट्रॉनिक डाक (Electronic Mail), संदेश भेजने का तेज़ और आसान तरीका।

8. तर्क ज्ञान

एक आदमी 25 दिन बिना नींद लिए कैसे जिंदा रह सकता है?
उत्तर : वह रात में सोता है, दिन में नहीं।

9. प्रेरक प्रसंग

एक गाँव में एक छोटा बालक रहता था, जिसका नाम अरुण था। वह पढ़ाई में सामान्य था और अक्सर परीक्षा में अच्छे अंक नहीं ला पाता था। उसकी कक्षा के साथी उसका मज़ाक उड़ाते और कहते – "तुम कभी अच्छे अंक नहीं ला सकते।" यह सुनकर अरुण बहुत दुखी होता।
एक दिन अरुण ने अपने अध्यापक से कहा – "गुरुजी, मैं मेहनत तो करता हूँ, पर मुझे सफलता क्यों नहीं मिलती?" अध्यापक मुस्कुराए और बोले –
"बेटा, सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास करना ज़रूरी है। जैसे किसान खेत में बीज बोता है, उन्हें सींचता है और फिर धैर्य से प्रतीक्षा करता है, वैसे ही पढ़ाई में भी धैर्य और लगन चाहिए।"
अध्यापक ने उसे एक छोटा बीज दिया और कहा – "इसे लगाओ और हर दिन पानी दो। जब यह पौधा बनेगा, तब तुम समझोगे कि मेहनत का फल कैसे मिलता है।"
अरुण ने वैसा ही किया। पहले कुछ दिनों तक कोई बदलाव नहीं दिखा, लेकिन उसने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे मिट्टी से हरी कोंपलें निकल आईं और एक दिन वह पौधा बन गया। यह देखकर अरुण को गहरा सबक मिला।
अब उसने पढ़ाई में भी वही तरीका अपनाया। हर दिन थोड़ा-थोड़ा पढ़ने लगा, ध्यान से कक्षा में सुनने लगा और अभ्यास करता रहा। कुछ महीनों बाद उसकी मेहनत रंग लाई और परीक्षा में उसने अच्छे अंक प्राप्त किए।
उसके साथी अब हैरान थे और अध्यापक ने गर्व से कहा –
"देखो बच्चों, निरंतर मेहनत और धैर्य से असंभव भी संभव हो सकता है।"

सीख :
यह प्रसंग हमें सिखाता है कि मेहनत और धैर्य से ही सफलता मिलती है। तुरंत परिणाम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। लगातार किए गए छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े बदलाव लाते हैं।

10. बूझो तो जानें

सूरज ने पृथ्वी पर अब तक क्या नहीं देखा है?

उत्तर: अंधेरा

11. रोचक तथ्य

एक समुद्री केकड़े का दिल उसके सिर में होता है.
ऑस्ट्रेलिया में हर साल लोग साँपों से ज्यादा मधु मक्खियों द्वारा काटे जाने से मारे जाते है.

12. विभागीय सूचना

- माह अक्तूबर 2025 का PBL MIP पूरा करने की अंतिम तिथि 31.10.2025 है | अत: सभी विद्यालय 18.10.2025 तक गूगल फॉर्म द्वारा दिए गये लिंक से MIP पूरा करके स्क्रीनशॉट ग्रुप में भेजना सुनिश्चित करें |
- आज विकसित भारत बिल्डथान 2025 का रजिस्ट्रेशन करना सुनिश्चित करें |
- समृद्धि शिक्षकों के लिए कला उत्सव के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता हेतु सभी प्रखंड से कक्षा 09-12 के शिक्षक आवेदन करें वेबसाइट है –http://kalautsav.ncert.gov.in
- सभी विद्यालय प्राप्त विभागीय टैबलेट में मोबाइल सीम खरीदकर उसे दिए गए टैबलेट में लगाकर ई -शिक्षाकोश पर अगले दो दिनों में पंजीकरण करना सुनिश्चित करें |
- SWEEP कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को विद्यालय स्तर पर आयोजित कराना सुनिश्चित किया जाय I
- बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 को देखते हुए जिला पदाधिकारी कैमूर द्वारा निर्वाचन कार्य समाप्ति तक सभी कर्मियों की सभी तरह की छुट्टी रद्द कर दिया गया है I अवकाश में जाने से पूर्व निर्वाचन शाखा से पूर्वानुमति के बाद ही कोई कर्मी मुख्यालय छोड़ेंगे I

कैमूर चेतना-सत्र टीम
हर सुबह एक नई चेतना
संपर्क सूत्र : 8271039022